Series BRH/1

कोड नं.
Code No. **4/1/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा-II
SUMMATIVE ASSESSMENT-II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 80*

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 1×5=5

मनुष्य जीवन कर्म-प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता-असफलता की चिन्ता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्मशील रहना है।

किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है, किन्तु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की सम्पत्ति अर्जित करता है, जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं, वह पूरा नहीं होता है। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया-सा लगता है, और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दुबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म-शक्ति, वरन् उसके समस्त जीवन को ही ढँक लेता है। निराशा की भावना के कारण लोग कभी-कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न-बाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ की चिन्ता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

(क) मनुष्य के कर्तव्य-पालन में कैसा भाव होना चाहिए?

(i) सफलता का भाव (ii) सकाम भाव

(iii) निष्काम भाव (iv) परिश्रम का भाव

(ख) सफलता कब प्राप्त होती है?

(i) आशा-निराशा के चक्र में फँसे रहने पर

(ii) निरंतर कर्मशील रहने पर

(iii) प्रतीक्षा करने पर

(iv) कर्तव्य की पूर्णता पर

(ग) मनुष्य के लिए असफलता भी सफलता की कुंजी बन जाती है, क्योंकि वह :

(i) विचलित हो जाता है।

(ii) अनुभव अर्जित करता है।

(iii) आशा-निराशा के चक्र में नहीं फँसता।

(iv) दुबारा प्रयत्न नहीं कर पाता।

(घ) जीवन बोझ कब नहीं बनता ?

(i) परिश्रम व्यर्थ हो जाने पर

(ii) असफल हो जाने पर

(iii) निराश हो जाने पर

(iv) उद्देश्य पूरा हो जाने पर

(ङ) जीवन की सार्थकता है:

(i) लक्ष्य से विचलित न होना

(ii) कर्तव्य मार्ग पर चलते रहना

(iii) हानि-लाभ की चिन्ता करना

(iv) सफलता के लिए दुबारा प्रयत्न करना

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 1×5=5

घड़े को जल से भर देने पर उसे मस्तक पर रखकर मीलों चले जाइए, एक बूँद पानी भी छलक कर बाहर नहीं गिरेगा। किन्तु जिस घड़े में जल की मात्रा कम होगी, वह छलकता रहेगा, मानो वह पुकार-पुकार कर कह रहा हो कि उसमें जल है। अथवा जल का स्वामी समुद्र वर्षाकाल में सामान्य स्थितियों में मर्यादा छोड़कर बाढ़ का आतंक नहीं पैदा करता, किन्तु छोटी-छोटी नदियाँ अपने तटवर्ती क्षेत्रों को तहस-नहस कर डालती हैं। इसी तरह जिस मनुष्य में वास्तविक विद्वत्ता होती है, वह अपने पाण्डित्य का ढिंढोरा नहीं पीटता, बल्कि सदा विनम्र एवं निरहंकार बना रहता है। कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति ही बात-बात में मिथ्या पाण्डित्य-

प्रदर्शन की चेष्टा करता है। जो वास्तव में धनवान होते हैं, लोगों से यह नहीं कहता-फिरता कि वह धनवान है। उसका रहन-सहन, आचार-विचार सादगी से पूर्ण होता है लेकिन साधारण स्थिति का व्यक्ति सदैव यह दिखलाने का प्रयत्न करता है कि वह धनी और सम्पन्न व्यक्ति है। अभावग्रस्त लोगों को सदा यही कुण्ठा बेचैन करती रहती है कि वे अभावग्रस्त हैं, जिस पर विजय पाने के लिए वे मिथ्या-प्रदर्शन की आड़ लेते हैं। पूर्णता गंभीरता एवं विनम्रता को जन्म देती है, किन्तु अपूर्णता चंचलता को। आज विश्व में या समाज में जो भी आपा-धापी, खींचतान तथा अशांति दिखाई पड़ती है उसका मूल कारण अपूर्णता ही है। धन, विद्या, पद आदि की पूर्णता पर ही शांति-सुख निर्भर करते हैं।

(क) घड़े में एक बूँद भी पानी नहीं रिसता, क्योंकि

(i) घड़े में पानी की मात्रा कम होती है।

(ii) घड़ा मस्तक पर रखा होता है।

(iii) आधे घड़े में जल भरा होता है।

(iv) घड़ा जल से लबालब भरा होता है।

(ख) कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति पाण्डित्य-प्रदर्शन करता है:

(i) धनवान होने के कारण

(ii) अज्ञान के कारण

(iii) अहंकार के कारण

(iv) प्रदर्शन-प्रियता के कारण

(ग) अभावग्रस्त लोग विजय पाने के लिए क्या करते हैं?

(i) विनम्रता प्रदर्शन (ii) समृद्धि प्रदर्शन

(iii) मिथ्या प्रदर्शन (iv) बेचैनी प्रदर्शन

(घ) चंचलता का कारण होता है:

(i) अपूर्णता (ii) विनम्रता

(iii) सादगी (iv) गंभीरता

(ङ) समाज में व्याप्त अशांति का कारण है:

(i) उत्तेजना (ii) आपाधापी

(iii) मद्यपान (iv) अविद्या

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 1×5=5

देश आँखों में लहू उतर गया,
अमन चैन को कोई कुचल गया
धधक उठी ज्वाला अंग-अंग में
खौल उठा विष उमंग-उमंग में
चल पड़ा अमर, अमर पुकार पर।

वह जिधर चला, बिजलियाँ चलीं,
बाढ़ की विकल टोलियाँ चलीं,
नाश की नई निशानियाँ चलीं,
इंकलाब की कहानियाँ चलीं
खून के साथ चले अंगार पर।

देश का जहाँ-जहाँ पहाड़ था,
सत्य से जहाँ-जहाँ दुराव था
वह चला कि अविश्वास भागता
पाप की डगर-डगर उजाड़ता
बाज बन गिरा, गिरि शिकार पर।

आज देश के उसी सपूत की,
राह के शहीद, अग्रदूत की
शांति की मशाल जो लिए चला,
क्रांति के कमाल जो किए चला,
लो कथा सजा दिया मजार पर।

(क) अमर की अमर पुकार का क्या प्रभाव पड़ा?

(i) जातिवाद का जहर फैल गया (ii) क्रांति की आग जल उठी

(iii) अमन-चैन जाता रहा (iv) खून खौल उठा

(ख) 'मन बेन के कोई कुहक गया' का आशय है:

(i) अंग-अंग में आग लग गई

(ii) आँखों में खून दौड़ गया

(iii) बेचैनी छा गई

(iv) आगे बढ़ने की तत्परता बन गई

(ग) 'चाह की नई निशानियाँ' का क्या भाव है?

(i) युवकों की भीड़ आगे बढ़ने लगी

(ii) लोगों में नया उत्साह जाग उठा

(iii) जीतने की भीड़ दिखाई पड़ने लगी

(iv) विनाशकारी क्रांति दिखाई पड़ी

(घ) 'गिरे जिगर पर' – का अर्थ है:

(i) घायल लोगों पर

(ii) तुच्छ विचार पर

(iii) गिरे हुए लोगों पर

(iv) गिरे हुए पेड़ों पर

(ङ) 'राह के शहीद से' किसकी ओर संकेत हो सकता है?

(i) किसी बलिदानी की ओर

(ii) किसी स्वतंत्रता सेनानी की ओर

(iii) रणक्षेत्र में लड़ने वाले वीर की ओर

(iv) सीमा पर तैनात सैनिक की ओर

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए. 1×5=5

सदियों से हम साथ जिए हैं, साथ मरे हैं
चित्र, नृत्य, संगीत, काव्य के कोष भरे हैं

हिन्दी, उर्दू, बंगला, तमिल, तेलुगु, कन्नड़
इन्द्रधनुष के अलग-अलग रंगों समान हैं।

होली, ईद, बड़ा दिन, ओणम औ बैसाखी
इनको मिलकर साथ मनाई-दुनिया साखी
साथ मनाई तीज, साथ ही दुःख झेले हैं-
हम सब तरु की भिन्न डालियों के समान हैं।

आगे बढ़ता रहे राष्ट्र- यह ध्येय हमारा;
धर्म, जाति, भाषा से बढ़कर भारत प्यारा;
कृषक, श्रमिक, व्यापारी और सरकारी नौकर
एक गगन के ग्रह-नक्षत्रों के समान हैं।

(क) काव्यांश में प्रतिपादित किया गया है:

(i) भाषा-साहित्य में समानता का भाव

(ii) परस्पर मेल-जोल का भाव

(iii) अनेकता में एकता का भाव

(iv) धार्मिक एकता का भाव

(ख) इन्द्रधनुष के विविध रंग हैं:

(i) भारत के विविध रीति-रिवाज (ii) भारत की विविध भाषाएँ

(iii) भारत की विविध वेशभूषा (iv) भारत की अनेक वस्तुएँ

(ग) संसार साक्षी है:

(i) हमारे मौज-मस्ती का (ii) हमारी आज़ादी का

(iii) हमारे मेल-जोल का (iv) हमारे बल-पराक्रम का

(घ) कवि ने भारतवासियों को किसके समान माना है?

(i) नदियों की जलधारा के समान

(ii) इन्द्रधनुष के समान

(iii) भाँति-भाँति के फूलों के समान

(iv) वृक्ष की अलग-अलग डालियों के समान

(ङ) हमारा ध्येय क्या है?

(i) हमारे देश की उन्नति हो (ii) हमारी भाषा का प्रचार हो

(iii) हमारा देश आगे बढ़ता रहे (iv) हमारी एकता बनी रहे

खण्ड – ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1×4=4

(i) '<u>परिश्रमी व्यक्ति</u> सफल होते हैं' में रेखांकित पदबंध है:

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रियाविशेषण पदबंध

(घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) 'मानव ईश्वर की सुन्दरतम और सर्वश्रेष्ठ रचना है' वाक्य में विशेषण पदबंध है:

(क) मानव ईश्वर की

(ख) सुन्दरतम और सर्वश्रेष्ठ

(ग) सुन्दरतम और सर्वश्रेष्ठ रचना

(घ) ईश्वर की सुन्दरतम रचना

(iii) <u>सर्प की</u> आँख चमकीली होती है– वाक्य में रेखांकित का पद–परिचय है:

(क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) संज्ञा, समूहवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(iv) '<u>वह</u> रोज गीता पढ़ता है' वाक्य में रेखांकित का पद–परिचय है:

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, बहुवचन

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, बहुवचन

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1×4=4

(i) 'वे सभी लोग, जो कल नहीं आए थे, मेरे पड़ोसी हैं' वाक्य रचना की दृष्टि से है:

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) साधारण वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) सरल वाक्य

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है-

(क) वे अध्ययनशील लोग हमारे देश के गौरव हैं।

(ख) विद्या वह धन है, जिसका कभी नाश नहीं होता।

(ग) तुम वीर हो, अतः मैं तुम्हारा सम्मान करता हूँ।

(घ) विद्यालय के प्रधानाचार्य ने यह घोषणा की।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है:

(क) तुम मन लगाकर पढ़ते क्यों नहीं?

(ख) मैं वहाँ गया और लिखने बैठ गया।

(ग) उन्होंने इस वर्ष भी विद्यालय को खूब सजाया।

(घ) तुम वहाँ जा सकते हो जहाँ मैं रहता हूँ।

(iv) 'वह खाना खा रहा था। मैं पुस्तक पढ़ रहा था।' इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है:

(क) उसके खाना खाते समय मैं पुस्तक पढ़ रहा था।

(ख) मैं पुस्तक पढ़ रहा था तो वह खाना खा रहा था।

(ग) जब वह खाना खा रहा था, तब मैं पुस्तक पढ़ रहा था।

(घ) वह खाना खा रहा था लेकिन मैं पुस्तक पढ़ रहा था।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1×4=4

(i) 'पर्यटन' का संधि विच्छेद है:

(क) पर्य+टन (ख) परि+आटन

(ग) परी+अटन (घ) परि+अटन

(i) 'चरण+अरविंद' की संधि है:

(क) चरणविंद (ख) चरणारविंद

(ग) चरणरविंद (घ) चरणाविंद

(ii) 'वाचनालय' समस्त-पद का विग्रह है:

(क) वाचन में आलय (ख) वाचन को आलय

(ग) वाचन के लिए आलय (घ) वाचन का आलय

(iv) 'नील है जो कमल' का समस्त पद है:

(क) नीलाकमल (ख) नीलकमल

(ग) नीलम-ए-कमल (घ) कमलनील

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 1×4=4

(i) 'रंगे हाथों पकड़े जाने पर वह ....' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:

(क) सफेद झूठ बोलना

(ख) आँखें लाल होना

(ग) पानी-पानी होना

(घ) पेट का हल्का होना

(ii) 'संन्यासी ने कहा, 'मैं काशी-प्रयाग नहीं जाऊंगा, क्योंकि.........

उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:

(क) मन चंगा तो कठौती में गंगा

(ख) रस्सी जल गई ऐंठन न गई

(ग) दोनों हाथ लड्डू

(घ) नीम-हकीम खतरे जान

(iii) 'ईंट से ईंट बजाना' मुहावरे का अर्थ है:

(क) बदनाम करना (ख) आपस में विरोधी बातें करना

(ग) नष्ट कर देना (घ) मस्त बना होना

(iv) 'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का अर्थ है:

(क) भैंस की शिक्षा काम नहीं आती (ख) घोर अशिक्षित

(ग) किसी झंझट में न पड़ना (घ) हर ओर से लाभ

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1×4=4

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:

(क) एक गरम कप चाय ले आइए।

(ख) एक चाय गरम कप में ले आइए।

(ग) एक कप गरम चाय ले आइए।

(घ) चाय का एक गरम कप ले आइए।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:

(क) उनके पिताजी को आने का है।

(ख) उनके पिताजी आने वाले हैं।

(ग) उनका पिताजी आने वाला है।

(घ) उनके पिताजी के आने को बोलो।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है:

(क) तुम्हारी जेब में कितने पैसे हैं?

(ख) मैं को थोड़ी सहायता चाहिए।

(ग) वह अच्छे कर्म करता है।

(घ) कवि सुन्दर कविता सुनाता है।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है:

(क) क्या आप भी साथ चलेंगे?

(ख) अभी नहीं आ सकता।

(ग) तो मैं चलूँ।

(घ) हाँ आप चलो।

खण्ड – ग

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 1×5=5

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) सुमृत्यु का क्या भाव है:

(क) अच्छी मृत्यु   (ख) निश्चित मृत्यु
(ग) याद करने योग्य मृत्यु   (घ) निरर्थक मृत्यु

(ii) मर्त्य वह है:

(क) जिसकी मृत्यु संभव है
(ख) जिसकी मृत्यु निश्चित है
(ग) जो मृत्यु से डरता है
(घ) जो अच्छी मृत्यु मरता है

(iii) 'मरा नहीं वही' किसके लिए कहा गया है?

(क) जो स्वयं के लिए जीवित रहता है
(ख) जो दूसरों के हित के लिए जीवित रहता है
(ग) जो दूसरों को कष्ट देने के लिए जीवित रहता है
(घ) जो कभी मरता ही नहीं

(iv) पशु-प्रवृत्ति क्या है ?

(क) पशुओं जैसा स्वभाव
(ख) पशुओं के समान जीवन
(ग) पशुओं जैसा बल
(घ) पशुओं का-सा आहार

(v) मरना जीना निरर्थक है उनके लिए:

(क) जिनको लोग याद न करें।

(ख) जिनकी समाज में निन्दा हो।

(ग) जिनको शारीरिक कष्ट सहना पड़े।

(घ) जिनका पशु जैसा आचरण हो।

अथवा

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर,
इस तरफ आने पाए न रावण कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) ज़मीन पर खून की रेखा खींचने का तात्पर्य है: 1×5=5

(क) अपने खून से धरती को सींचना

(ख) हिंसा और मारकाट मचाना

(ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना

(घ) खून की नदी बहाना

(ii) कविता में रावण किसका प्रतीक है?

(क) दुष्टों का (ख) राक्षसों का

(ग) पापियों का (घ) शत्रुओं का

(iii) 'सीता का दामन' का आशय है:

(क) देश की आन-बान (ख) देश की शान

(ग) देश का सम्मान (घ) देश की सीमा

(iv) देशवासियों को राम लक्ष्मण कहा गया है, क्योंकि:

(क) सब देश की रक्षा में लगे हैं (ख) अपने देश की रक्षा करते हैं

(ग) सब परस्पर भाई हैं (घ) उनके हाथों में देश सुरक्षित है

(v) 'साथियो' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(क) देशवासियों के लिए

(ख) सैनिकों के लिए

(ग) युद्धक्षेत्र में लड़ने वालों के लिए

(घ) शत्रुओं के लिए

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए: 2½+2½=5

(क) [illegible] की चारित्रिक विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) आदर्श और व्यावहारिकता में क्या अन्तर है? शुद्ध आदर्श और व्यावहारिकता की तुलना लेखक ने सोने और तांबे से क्यों की है? 'गिन्नी का सोना' के आधार पर लिखिए।

(ग) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

(घ) कर्नल, सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

12. 'कानून-सम्मत तो यही है कि सब लोग अब बराबर हैं' का आशय स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'[illegible]' कहानी में पुलिस व जनता के संबंधों को किस प्रकार दिखाया गया है? स्पष्ट कीजिए। 5

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समन्दर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस

हिस्सेदारी में मानवजाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

(क) धरती को किस-किसकी बताया गया है? 1

(ख) 'हिस्सेदारी में दीवारें किसने खड़ी कर दी हैं और दीवारें खड़ी करने का क्या तात्पर्य है? 2

(ग) पहले की और आज की जीवन प्रणाली में क्या-क्या अन्तर दिखाई पड़ते हैं? 2

अथवा

अक्सर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

(क) प्रायः हम किन बातों में उलझे रहते हैं? 1

(ख) हमें किस काल में जीना चाहिए और क्यों? 2

(ग) लेखक ने अनंतकाल जैसा विस्तृत किसे कहा है और क्यों? 2

14. (क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में दीपक और प्रियतम किसके प्रतीक हैं? 1

(ख) 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) 'मनुष्यता' कविता में किस व्यक्ति को उदार कहा गया है और उसका क्या प्रभाव बताया गया है? 2

15. 'सपनों के-से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि पी.टी. साहब की 'शाबाश' बच्चों को फ़ौज के तमगों-सी क्यों लगती थी? 3

अथवा

इफ़्फ़न को 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्त्वपूर्ण पात्र कैसे माना जा सकता है? 3

16. 'सपनों के-से दिन' पाठ में लेखक का मन पुरानी किताबों से क्यों उदास हो जाता है? 2

खण्ड – घ

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: 5

(क) परोपकार

- परोपकार का अर्थ, आवश्यकता
- लाभ और हानि
- परोपकारी प्रकृति, महापुरुषों से सीख

(ख) मेरा देश

- प्राकृतिक सौन्दर्य
- सांस्कृतिक विविधता
- प्रगति की ओर कदम

(ग) एक सड़क दुर्घटना

- दुर्घटना कब, कहाँ
- दुर्घटना स्थल का दृश्य
- मैं क्या कर पाया

18. वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने के संबंध में अपनी तैयारी और प्रस्तुति का ब्यौरा देते हुए मित्र को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके पिताजी ने आपको एक हज़ार रुपये का मनीआर्डर भेजा है जो अभी तक आपको नहीं मिला है। डाक अधीक्षक को पत्र लिखकर इसकी शिकायत कीजिए। 5